HINDUSTAN PAGE 8

समाज कार्य के लिए राष्ट्रीय परिषद की स्थापना जरूरी

वेबिनार

लखनऊ। कासं

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और मानव सेवा व्यवसाय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन सामाज कार्य विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया। जिसमें राष्ट्रीय समाज कार्य शिक्षा परिषद की स्थापना के लिए भारत में छह क्षेत्रीय समितियां बनाई गई हैं। इसमें समाज कार्य के लिए राष्ट्रीय परिषद की स्थापना पर बल दिया।

छह जोनल कमेटियों में से चार राज्यों- उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की सेंट्रल जोन कमेटी ने समाज कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में प्रथम अध्याय का आयोजन किया। वेबिनार में सेंट्रल जोन के इन चारों राज्यों के समाज कार्य विभाग के शिक्षाविद व छात्र शामिल हुए।

लखनऊ के समाज कार्य विभाग के शोधार्थी अंजलि शाही और अमरीन खान पूरे वेबिनार के मॉडरेटर रहे। वेबिनार में प्रो बलराज चौहान कुलपति, धर्मशास्त्र राष्ट्रीय लॉ विश्वविद्यालय, जबलपुर, प्रो जेपी पचौरी कुलपति हिमालय विवि, प्रो आरपी अध्यक्ष, एनएपीएसडब्ल्यूआई, नई दिल्ली , प्रो. एस.वी. सुधाकर पूर्व कुलपति, डॉ बी आर अंबेडकर विश्वविद्यालय श्रीकाकुलम आदि ने अपने विचारों को रखा।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

जुनून एवं मूल्यों का योगफल है सफलता : डा. सेंगर

लविवि में इंटर सेमेस्टर ग्रुप डिस्कशन प्रतियोगिता का आयोजन

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित विधि संकाय की मूट कोर्ट एसोसिएशन द्वारा प्रथम प्रोफेसर एस.के. सिंह मेमोरियल इंटर सेमेस्टर ग्रुप डिस्कशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में वतौर मुख्य अतिथि आईआईएम लखनऊ के प्रोफेसर डा. डी.एस. सेंगर मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि जुनून और मूल्यों का योगफल ही सफलता है।

उन्होंने छात्रों को अपने जीवन में सफलता प्राप्ति के लिए नियमवद्ध होने की सीख दी, साथ ही छात्रों को अपने जीवन में उद्देश्य खोजने के लिए कहा। उन्होंने विधि संकाय द्वारा ग्रुप डिस्कशन प्रतियोगिता आयोजित किए जाने पर प्रसन्नता जताई और कहा कि ऐसी प्रतियोगिता टीम विल्डिंग की सीख देती है। उन्होंने छात्रों से हाव भाव की भाषा पर ध्यान देने के साथ-साथ इशारे एवं आसन को अच्छा करने की वात कही। उन्होंने प्रतिभागियों को सदा हृदय की सुने, तर्कशक्ति का निखार करें एवं भावुक ना हो

कहकर शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि स्वर्गीय प्रोफेसर एस.के. सिंह के दोनों पुत्र केंट जनरल हॉस्पिटल, वरेली के चीफ मेडिकल ऑफीसर डाक्टर विजय विक्रम सिंह एवं मेडिकल ऑफिसर डाक्टर विकास विक्रम सिंह मौजूद रहे। डाक्टर विजय विक्रम सिंह ने अपने पिता की स्मृति में प्रतियोगिता का आयोजन किए जाने पर खुशी जताई और अपने पिता के जीवन के उदाहरण से छात्रों को वताया कि कैसे डाक्टर एस.के. सिंह लक्ष्य वनाकर उसे पाने में लग जाते थे। डाक्टर विकास विक्रम सिंह ने अपने पिता द्वारा दी हुई सीख 'जीवन में नियमावली आवश्यक है' के वारे में वताया। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में 36 प्रतिभागियों को छह वर्चुअल रूम्स में वांटकर जोड़ा गया।

प्रतियोगिता के अंतिम चरण में वतौर निर्णायक एवं मुख्य अतिथि सिविल जज (सीनियर डिविजन), ललितपुर सुनील कुमार सिंह एवं निर्णायक तथा विशिष्ट अतिथि सिविल जज (जूनियर डिविजन), वांसगांव गोरखपुर आशीष कुमार सिंह मौजूद रहे। प्रतियोगिता के समापन समारोह के दौरान जज सुनील कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को जीवन में उपयोग आने वाली कई महत्वपूर्ण सलाह दी। उन्होंने वताया की विधि की शिक्षा चुनौतीपूर्ण है परंतु अच्छे से किए जाने पर प्रतिफल देने वाली भी है। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने कार्य को टालने से वचने की सलाह भी दी।

जज आशीष कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को ग्रुप डिस्कशन में सर्वश्रेष्ठ करने के लिए उपयोगी सलाह दी। उन्होंने वताया कि अपने विचार को एक वार देखने के वाद पुनः उसी विचार को मत रखें एवं अपनी वात कहने के पश्चात दूसरों को भी अपनी वात रखने का मौका दें। प्रतियोगिता में तीन वर्षीय एलएलवी के सौरभ सिंह प्रथम, पांच वर्षीय एलएलवी ऑनर्स के अनादि तिवारी रनर्स अप एवं जीडी कोर्ट सी वेस्ट ग्रुप रहा ।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 6

नई नीति से बदलेगी शिक्षा की दशा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सहयोग से रविवार को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और मानव सेवा व्यवसाय' पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इसमें प्रो. बलराज चौहान कुलपति, धर्मशास्त्र राष्ट्रीय लॉ विश्वविद्यालय, जबलपुर, प्रो. जेपी पचौरी कुलपति हिमालय विवि देहरादून, प्रो. आरपी द्विवेदी अध्यक्ष, एनएपीएसडब्ल्यूआई नई दिल्ली और पूर्व निदेशक, गांधी अध्यापन पीठ, एमजीकेवीपी, वाराणसी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विस्तार से चर्चा की और इसके महत्व व आने वाली परेशानियों पर मंथन किया। लविवि के शोधार्थी अंजलि शाही और अमरीन खान वेबिनार के मॉडरेटर रहे। डॉ. नसीम अहमद ने ज्ञापित किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

विद्यार्थियों को दिए खुश रहने के टिप्स

'हैप्पीनेस एंड वेल बीइंग : नीड ऑफ द ऑवर' पर ऑनलाइन कार्यक्रम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग एवं कॅरिअर एंड गाइडेंस सेल के सहयोग से रविवार को 'हैप्पीनेस एंड वेल बीइंग : नीड ऑफ द ऑवर' विषय पर ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को जीवन में खुशी की अवधारणा से परिचित कराना था।

मुख्य वक्ता मनोचिकित्सक डॉ. रोहन कुमार और मनोवैज्ञानिक डॉ. रोनल कुमार ने हैप्पीनेस के प्रभाव, खुश क्यों रहें, खुश कैसे रहा जा सकता है और वो कौन से तरीके हैं, जिन्हें हम सभी को जीवन में शामिल करना चाहिए। वेल बीइंग को कैसे हम प्रकृति के साथ जोड़कर खुद को मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से भी पोषित कर सकते है, के बारे में विद्यार्थियों को बताया। कार्यक्रम में डीन एजुकेशन प्रो. तृप्ता त्रिवेदी, समन्वयक डॉ. अर्पणा गोडबोले ने भी विचार रखे। वहीं निदेशक कॅरिअर एंड गाइडेंस सेल प्रो. मधुरिमा प्रधान ने बताया कि कैसे एक खुश दिमाग जीवन की बाधाओं को दूर कर सकता है। कार्यक्रम में शोधार्थी अर्चना पाल, आस्था सिंह और नूतन पांडेय समेत काफी विद्यार्थियों ने शिरकत की। (माई सिटी रिपोर्टर)